सत्रीय कार्य निर्देश-पुस्तिका

दूर शिक्षा निदेशालय
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम
पाठ्यक्रम कोड : एम ए एच डी – 010
द्वितीय वर्ष – तृतीय सेमेस्टर
सत्र : जुलाई 2023

क्रमांक	सत्रीय कार्य कोड	कहाँ प्रेषित करें	संबंधित अध्ययन केंद्र के पते पर सत्रीय कार्य पहुँचने की निर्धारित अंतिम तिथि
01 02 03 04 05 06	एम ए एच डी – 13 एम ए एच डी – 14 एम ए एच डी – 15 एम ए एच डी – 16 एम ए एच डी – 17 एम ए एच डी – 18	संबंधित अध्ययन केंद्र के पते पर	**10 जुलाई, 2025**

- **अध्ययन केंद्र पर पंजीकृत विद्यार्थी अपने-अपने सत्रीय कार्य अध्ययन केंद्र पर ही जमा कराएँ। ऐसे विद्यार्थियों के सत्रीय कार्य का मूल्यांकन संबंधित अध्ययन केंद्र पर ही किया जाएगा।**

ज्ञान शांति मैत्री

दूर शिक्षा निदेशालय
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
गांधी हिल्स, पोस्ट : हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा महाराष्ट्र – 442001
फोन /फॅक्स नं. : 07152-247146
वेबसाइट : **http://hindivishwa.org/distance**

दूर शिक्षा निदेशालय

एम.ए. हिंदी कार्यक्रम **द्वितीय वर्ष – तृतीय सेमेस्टर**

सत्रीय कार्य

दिशा-निर्देश

एम.ए. हिंदी कार्यक्रम के द्वितीय वर्ष – तृतीय सेमेस्टर की 06 पाठ्यचर्याओं में से विद्यार्थी को प्रथम 04 अनिवार्य पाठ्यचर्याओं तथा पंचम (वैकल्पिक) पाठ्यचर्याओं के निर्धारित 02 विकल्पों में से किसी 01 पाठ्यचर्या का चयन करना है। विद्यार्थी को प्रथम 04 अनिवार्य पाठ्यचर्याओं तथा पंचम वैकल्पिक पाठ्यचर्या (विद्यार्थी द्वारा चयनित) के लिए सत्रीय कार्य सम्पूर्ण कर जमा कराना अनिवार्य है। इस प्रकार विद्यार्थी को द्वितीय वर्ष, तृतीय सेमेस्टर में कुल 05 सत्रीय कार्य सम्पन्न कर जमा कराने हैं।

संत्रात परीक्षा में विद्यार्थी को उसी पाठ्यचर्या का प्रश्नपत्र हल करने के लिए दिया जाएगा जिस वैकल्पिक पाठ्यचर्या का चयन विद्यार्थी द्वारा सत्रीय कार्य हेतु पंचम पाठ्यचर्या के लिए किया जाएगा। विद्यार्थियों से आग्रह है कि वे परीक्षा आवेदन पत्र में अपने द्वारा पंचम पाठ्यचर्या के लिए चयनित वैकल्पिक पाठ्यचर्या का क्रमांक, शीर्षक एवं कोड स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करें।

प्रत्येक सत्रीय कार्य में विद्यार्थी को कुल 03 प्रश्नों के विश्लेषणात्मक उत्तर लिखने हैं। प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखना है।

पूर्ण किये गए सत्रीय कार्यों को मूल्यांकन हेतु निर्धारित अंतिम तिथि से पूर्व संबंधित अध्ययन केंद्र पर जमा कराएँ तथा उनकी एक छायाप्रति अपने पास अनिवार्यत: सुरक्षित रखें।

सत्रीय कार्य का उद्देश्य :

- सत्रीय कार्य का उद्देश्य विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थी को उपलब्ध करायी गई पाठ्य-सामग्री को विद्यार्थी की हस्तलिपि में पुन: प्राप्त करना नहीं है अपितु विद्यार्थी की अध्ययन-प्रवृत्ति में निरन्तरता बनाए रखने के साथ ही उसके द्वारा अब तक किए गए अध्ययन का मूल्यांकन करना है।
- विद्यार्थी ने एम.ए. हिंदी कार्यक्रम हेतु निर्धारित पाठ्य-पुस्तकों तथा संबंधित पाठ्य-सामग्री को कितन पढ़ा-समझा है, उसका विवेचन-विश्लेषण करने की कितनी क्षमता अर्जित की है तथा संबंधित पाठ्य के विषय में उसका अपना दृष्टिकोण कितन विकसित हुआ है, आदि उद्देश्यों को दृष्टि में रखने के साथ-साथ विद्यार्थी की लेखन-क्षमता का मूल्यांकन करना भी सत्रीय कार्य का लक्ष्य है।
- विद्यार्थियों को सत्रीय कार्यों में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखते समय उपर्युक्त उद्देश्यों को स्मरण रखना चाहिए तथा प्राप्त पाठ्य-सामग्री का पुनर्प्रस्तुतीकरण न करते हुए अध्ययन उपरान्त अपनी विकसित विचार-क्षमता के आधार पर ही उत्तर लिखने का प्रयास करना चाहिए।
- पूछे गए प्रश्न के उत्तर में विद्यार्थी का अध्ययन, उसकी आलोचनात्मक दृष्टि, पाठ्य के विषय में उसकी अपनी समझ आदि के साथ ही भाषा एवं वर्तनी संबंधी ज्ञान की अपेक्षा की जाती है।

उपर्युक्त अपेक्षाओं को दृष्टि में रखकर ही विद्यार्थी द्वारा प्रेषित सत्रीय कार्यों का मूल्यांकन किया जाएगा.

सत्रीय कार्य लेखन :

विद्यार्थी सत्रीय कार्य लिखने से पूर्व कृपया निम्नलिखित निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें :-

01. योजना :

- प्रथमत: सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नो को पढ़कर उनका आशय समझ लीजिए। उसके बाद संबंधित पाठ्य-सामग्री को ध्यानपूर्वक पढ़िए।
- पूछे गए प्रश्नों से संबंधित इकाइयों को मनोयोग से पढ़िए। निर्धारित पाठ्य-पुस्तकों का गहन अध्ययन कीजिए।
- साथ ही, सुझायी गई सहायक पुस्तकों को भी रुचिपूर्वक पढ़िए।
- पढ़ते समय प्रत्येक उत्तर से संबंधित महत्त्वपूर्ण तथ्य चिह्नित कर लीजिए और अंतिम प्रति तैयार करने से पूर्व उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लीजिए।

02. संगठन कौशल :

- अपने उत्तर को अंतिम रूप देने से पूर्व एक कच्ची रूपरेखा बना लीजिए, श्रेष्ठतम तथ्य संकलित करने का प्रयास कीजिए और उसके समुचित विवेचन-विश्लेषण हेतु चिन्तन कीजिए।
- उत्तर लिखते समय प्रस्तावना और समाहार पर विशेष ध्यान दीजिए।
- कृपया ध्यान रखिए कि पूछे गए प्रश्नों के उत्तर तर्कसंगत हों, वाक्य-विन्यास और वर्तनी सम्बन्धी त्रुटियाँ न हों, अनुच्छेदों में परस्पर तारतम्यता हो तथा भाव, शैली और प्रस्तुति का पर्याप्त संयोजन किया गया हो।

03. सत्रीय कार्य लेखन :

- सत्रीय कार्य विद्यार्थी द्वार स्वयं की हस्तलिपि में संपन्न किया जाना है।
- पूछे गए प्रश्नों की अन्तिम प्रति स्वच्छ, स्पष्ट, पठनीय अक्षरों में लिखित, वर्तनी सम्बन्धी दोषों से रहित, प्रारूपबद्ध और बिना काट-छाँट किए तथा भली प्रकार नत्थी/स्पाइरल बाइंडिंग की गई हो।
- आवश्यकता प्रतीत होने पर मुख्य बिन्दुओं को रेखांकित किया जा सकता है।
- उत्तर-पुस्तिका में केवल नीले अथवा काले रंग की स्याही वाले पेन अथवा बॉलपेन का ही प्रयोग कीजिए।
- उत्तर-पुस्तिका में प्रश्नों के उत्तर पूछे गए प्रश्नों के क्रमानुसार ही लिखिए। किसी भी प्रश्न का उत्तर लिखना प्रारम्भ करने से पूर्व संबंधित प्रश्न क्रमांक अवश्य लिखिए।
- प्रत्येक नए उत्तर का प्रारंभ नए पृष्ठ से कीजिए।
- उत्तर-पुस्तिका हेतु A-4 साइज़ के कागज का प्रयोग करें।
- कार्य सम्पन्नोपरान्त सभी कागज़ों को भली प्रकार नत्थी कर लीजिए। विद्यार्थियों को सलाह दी जाती है कि अपनी उत्तर-पुस्तिका की सुरक्षित प्रस्तुति हेतु वे समस्त कागज़ों को स्पाइरल बाइंडिंग करा लें। विद्यार्थी अपनी सुविधानुसार गुणवत्तापूर्ण कागज़ के बड़े आकार के जिल्दबंद रजिस्टर में भी सत्रीय कार्य प्रस्तुत कर सकते हैं।
- सत्रीय कार्य के अन्तिम पृष्ठ पर कुल पृष्ठ संख्या लिखकर अपने हस्ताक्षर कीजिए।
- सत्रीय कार्य की विद्यार्थी द्वारा स्वयं की हस्तलिपि में लिखित प्रति ही स्वीकार की जाएगी।
- आवश्यकता प्रतीत होने पर विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत सत्रीय कार्य में लिखित हस्तलिपि (हेंड राइटिंग) का मिलान कराया जा सकता है। दोनों की हस्तलिपि (हेंड राइटिंग) में भिन्नता पाए जाने पर ऐसे सत्रीय कार्यों का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।
- सत्रीय कार्य की कंप्यूटर टंकित प्रति अस्वीकार्य है। कंप्यूटर टंकित सत्रीय कार्यों का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।

सत्रीय कार्य प्रस्तुतीकरण :

सत्रीय कार्य प्रस्तुतीकरण से पूर्व निम्नलिखित निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़िए :

01. सत्रीय कार्य उत्तर-पुस्तिका के मुख पृष्ठ के लिए निम्नलिखित प्रारूप निर्धारित हैं :

सत्रीय कार्य उत्तर-पुस्तिका के मुख पृष्ठ का प्रारूप

ज्ञान शांति मैत्री

दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

गांधी हिल्स, पोस्ट : हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा महाराष्ट्र- 442001

फोन / फैक्स नं. : 07152-247146 वेबसाईट : http://hindvishwa.org/distance

....

एम. ए. हिंदी कार्यक्रम, द्वितीय वर्ष – तृतीय सेमेस्टर , पाठ्यक्रम कोड: एम ए एच डी – 010

सत्रीय कार्य प्रशनपत्र क्रमांक :

सत्रीय कार्य कोड :

पाठ्यचर्या क्रमांक :

पाठ्चर्या का शीर्षक :

....

विद्यार्थी का नाम :

अनुक्रमांक :

नामांकन संख्या :

पत्राचार पता :

मोबाईल नं. :

ई- मेल :

....

संबंधित अध्ययन केंद्र का नाम एवं पता :

दिनांक :

स्थान:

विद्यार्थी के हस्ताक्षर :

02. उत्तर-पुस्तिका के निर्धारित मुखपृष्ठ पर संबंधित अध्ययन केंद्र का नाम एवं पता लिखिए तथा स्थान एवं दिनांक अंकित करते हुए अपने हस्ताक्षर अवश्य कीजिए। अहस्ताक्षरित प्रति अस्वीकार्य है।
03. सत्रीय कार्य उत्तरपुस्तिका को जाँच हेतु संबंधित अध्ययन केंद्र के पते पर जमा करा दीजिये।
04. लिफ़ाफ़े के शीर्ष पर – सत्रीय कार्य, एम.ए. हिंदी कार्यक्रम, द्वितीय वर्ष – तृतीय सेमेस्टर, पाठ्यक्रम कोड : एम ए एच डी – 010 अवश्य लिखिए।

हम यह विश्वास करते हैं कि आप उपर्युक्त दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए गुणवत्तापूर्ण सत्रीय-कार्य निर्धारित समय पर प्रस्तुत करेगें और एम. ए. हिंदी कार्यक्रम सफलता पूर्वक संपन्न करेंगे।

एम.ए. हिंदी कार्यक्रम **द्वितीय वर्ष – तृतीय सेमेस्टर**

सत्रीय कार्य प्रश्नपत्र क्रमांक – 01

सत्रीय कार्य कोड : एम ए एच डी – 13 **अधिकतम अंक : 30%**

तृतीय सेमेस्टर

प्रथम पाठ्यचर्या (अनिवार्य)

पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 13

पाठ्यचर्या का शीर्षक : आधुनिककालीन हिंदी काव्य

- **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।**

1. हिंदी नवजागरण काव्य में भारतेंदु हरिश्चंद्र के काव्य की सामाजिक और राष्ट्रीय भावना की प्रकृति को विश्लेषित कीजिए।
2. मैथिलीशरण गुप्त के 'साकेत' में लोक-कल्याण की भावना को सामयिक संदर्भों में विश्लेषित कीजिए।
3. आधुनिककालीन हिंदी काव्य में 'कामायनी' के महत्त्व को रेखांकित करते हुए जयशंकर प्रसाद की काव्य-दृष्टि का विश्लेषण प्रस्तुत कीजिए।
4. अज्ञेय की कविता 'असाध्य वीणा' की विषय-वस्तु को स्पष्ट करते हुए अज्ञेय की कविता के भाषा-शिल्प पर प्रकाश डालिए।
5. रघुवीर साहित्य की कविता में प्रस्तुत विचार और उसके शिल्प के वैशिष्ट्य को प्रस्तुत कीजिए।

एम.ए. हिंदी कार्यक्रम **द्वितीय वर्ष – तृतीय सेमेस्टर**

सत्रीय कार्य प्रश्नपत्र क्रमांक – 02

सत्रीय कार्य कोड : एम ए एच डी – 14 **अधिकतम अंक : 30%**

तृतीय सेमेस्टर

द्वितीय पाठ्यचर्या (अनिवार्य)

पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 14

पाठ्यचर्या का शीर्षक : हिंदी आलोचना

- **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।**

1. हिंदी आलोचना के विकास के विभिन्न चरण को रेखांकित कीजिए।
2. हिंदी आलोचना में भारतेन्दुयुगीन आलोचकों के मूल स्वर का विश्लेषण प्रस्तुत कीजिए।
3. रामचंद्र शुक्ल की आलोचना-दृष्टि का वैशिष्ट्य क्या है, यह आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी की आलोचना दृष्टि से भिन्न कैसे है, स्पष्ट कीजिए।
4. हिंदी आलोचना में जयशंकर प्रसाद की आलोचना दृष्टि के वैशिष्ट्य को रेखांकित कीजिए।
5. हिंदी आलोचना के विकास में सौंदर्यशास्त्रीय और समाजशास्त्रीय आलोचना के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।

एम.ए. हिंदी कार्यक्रम **द्वितीय वर्ष – तृतीय सेमेस्टर**

सत्रीय कार्य प्रश्नपत्र क्रमांक – 03

सत्रीय कार्य कोड : एम ए एच डी – 15 **अधिकतम अंक : 30%**

तृतीय सेमेस्टर

तृतीय पाठ्यचर्या (अनिवार्य)

पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 15

पाठ्यचर्या का शीर्षक : हिंदी भाषा का विकास एवं नागरी लिपी

- **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।**

1. हिंदी भाषा के विकास की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालिए कीजिए।
2. हिंदी भाषा समुदाय के अंतर्गत पूर्वी और पश्चिमी हिंदी की विशिष्टताओं को स्पष्ट कीजिए।
3. भाषा संरचना की विभिन्न व्याकरणिक कोटियों को प्रस्तुत कीजिए 1
4. माध्यम भाषा और संचार भाषा की प्रकृति और उसकी विशेषताओं पर प्रकाश कीजिए।
5. हिंदी भाषा के विकास में संवैधानिक स्थितियों को बिंदुवार स्पष्ट कीजिए।

एम.ए. हिंदी कार्यक्रम **द्वितीय वर्ष – तृतीय सेमेस्टर**

सत्रीय कार्य प्रश्नपत्र क्रमांक – 04

सत्रीय कार्य कोड : एम ए एच डी – 16 **अधिकतम अंक : 30%**

तृतीय सेमेस्टर

चतुर्थ पाठ्यचर्या (अनिवार्य)

पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 16

पाठ्यचर्या का शीर्षक : तुलनात्मक भारतीय साहित्य

- **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।**

1. आधुनिक भारतीय साहित्य की प्रवृत्तियों को स्पष्ट करते हुए भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याओं पर प्रकाश डालिए।
2. भारतीय साहित्य की नाट्य परम्परा में गिरीश कर्नाड के नाटक 'तुगलक' का मूल्यांकन प्रस्तुत कीजिए।
3. भारतीय उपन्यास की विकास यात्रा में 'चेम्मीन' के वैशिष्ट्य का आकलन करते हुए उपन्यास के शिल्प में उभरते स्त्री-प्रश्नों को स्पष्ट कीजिए।
4. सुब्रह्मण्यम भारती की कविताओं में राष्ट्र प्रेम के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए उनकी कविता-भाषा के वैशिष्ट्य को रेखांकित कीजिए।
5. सआदत हसन मंटों की कहानी 'टोबा टेक सिंह' के चरित्र की मार्मिकता को स्पष्ट कीजिए।

एम.ए. हिंदी कार्यक्रम **द्वितीय वर्ष – तृतीय सेमेस्टर**

सत्रीय कार्य प्रश्नपत्र क्रमांक – 05 (विकल्प - 01)

सत्रीय कार्य कोड : एम ए एच डी – 17 **अधिकतम अंक : 30%**

तृतीय सेमेस्टर

पंचम पाठ्यचर्या (वैकल्पिक)

पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 17

पाठ्यचर्या का शीर्षक : हिंदी भाषा एवं भाषा-शिक्षण

- **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।**

1. भाषा-शिक्षण की अवधारणा स्पष्ट करते हुए भाषा मूल्यांकन और परीक्षण की आवश्यकता को स्पष्ट कीजिए।
2. हिंदी भाषा संरचना में शब्द संरचना को विश्लेषित कीजिए।
3. भाषा-शिक्षण की प्रविधि में उत्तरसंरचना विधियों का विश्लेष्ण प्रस्तुत कीजिए।
4. हिंदी भाषा-शिक्षण में शब्दावली और व्याकरण की भूमिका पर प्रकाश डालिए।
5. भाषा-शिक्षण में ऑनलाइन भाषा-शिक्षण के महत्त्व को रेखांकित कीजिए।

एम.ए. हिंदी कार्यक्रम **द्वितीय वर्ष – तृतीय सेमेस्टर**

सत्रीय कार्य प्रश्नपत्र क्रमांक – 05 (विकल्प-02)

सत्रीय कार्य कोड : एम ए एच डी – 18 **अधिकतम अंक : 30%**

तृतीय सेमेस्टर

पंचम पाठ्यचर्या (वैकल्पिक)

पाठ्यचर्या कोड : MAHD – 18

पाठ्यचर्या का शीर्षक : सृजनात्मक लेखन

- **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।**

1. सृजनात्मक लेखन का अर्थ निरूपित करते हुए सृजनात्मक लेखन की रचना-प्रक्रिया को बिंदुवार स्पष्ट कीजिए।
2. सृजनात्मक लेखन में विषय-वस्तु के निर्धारण की क्या प्रक्रिया है, विश्लेषित कीजिए।
3. रिपोर्ताज के अर्थ और उसके स्वरूप का विश्लेषण प्रस्तुत कीजिए।
4. रेडियो लेखन, वार्ता लेखन और पटकथा लेखन के विभिन्न चरणों का विश्लेष्ण प्रस्तुत कीजिए ।
5. सृजनात्मक लेखन के अंतर्गत समकालीन पॉपुलर साहित्य का परिचय दीजिए।